

18¹²/₂₄ आज यह पत्रावली पेश हुनी क्रील
 वादी उपस्थित नहीं हैं। ना ही वादी सत्य
 प्राप्त किए हैं। वादी व वादी क्रील में
 बार-बार आवाज लगाइ गाइ किन्तु मैं
 भी उप. नहीं हैं। वादी व वादी क्रील में
 वावजूद सूचना आरु रहेय ये पत्रावली
 अदम हाजरी अदम पेटकी में शवाजि की
 जानी हैं। पत्रावली फौजल हुगा होय न
 ये कग है। वाद प्रशि ३॥ रेल दलवा है।